कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	03.04.2024	04.04.2024	05.04.2024	06.04.2024	07.04.2024
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान (से.)	39.0	39.0	40.0	40.0	41.0
न्यूनतम तापमान (से.)	19.0	19.0	20.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	34	32	30	30
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	15	12	12	11	10
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	15	12	11	10	10
पवन दिशा (डिग्री)	290	290	320	290	260
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	2	3	2

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 3 से 7 अप्रैल के दौरान आसमान प्रायः साफ एवं मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में 36–39 डिग्री संटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22–23 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- भोजपुर में अधिकतम तापमान 40–41 डिग्री संटीग्रेड तक रह सकता है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 30 से 38 प्रतिशत तथा दोपहर में 15 से 20 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पमर्वानुमान की अवधी में 10–15 किमी/घंटा की रफतार से पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

किसानों को सलाह दी जाती है कि भिंडी, मिर्च की फसल में माइट के हमले की निगरानी करने की सलाह दी जाती है। प्रकोप दिखने पर इथियन 50 प्रतिशत ई0सी0 1.5–2 मि.ली. प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

लघु संदेश सलाह :

आगामी दिनों में शुष्क मौसम एवं बढ़ते तापमान के मध्यनजर सब्जियों तथा मक्का में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें एवं परिपक्क गेहूँ की फसल की कटाई करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

मूँग	गरमा मूंग तथा उरद की शीघ्र बुआई 10 अप्रैल से पहले सम्पन्न करें। बुआई के पूर्व 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटास तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा

	उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बंआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

लौकी	ग्रीष्मकालीन सब्जियों जैसे भिंडी, कद्दू, खीरा, लौकी, तुरई, करेला की बुवाई शीघ्र पूर्ण करें। इंटरकल्चरल ऑपरेशन की सलाह दी जाती है। कद्दू वर्गीय सब्जियों में लाल कद्दू भृंग की निगरानी की सलाह दी जाती है, जो अंकुर अवस्था में होते हैं। यह बहुत हानिकारक कीट है। ग्रब पौधों की जडों और भूमिगत तनों में छेद करके नुकसान पहुॅचाते हैं। वयस्क भृंग फूल, पर्णसमूह में छेद करके उन्हें नुकसान पहुॅचाते हैं। गंभीर संक्रमण के परिणामस्वरूप पौधे की मृत्यु हो जाती है या बृद्धि मंद हो जाती है। ग्रब संक्रमण के नियंत्रण के लिए पौधे की जड़ के पास क्लोरपाइरीफॉस 2 प्रतिशत धूल 20 किलोग्राम/हेक्टेयर की दर से भुरकाव की सलाह दी जाती है। गंभीर मामलों में साफ मौसम में डाइक्लोरवोस 76 ई0सी0 1 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करने की सलाह दी जाती है।
भिंण्डी	भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट की निगरानी करें। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। हरें रंग के छोटे कीट शिशु व प्रौढ़ दोनों भिण्डी की पत्तियों के निचले हिस्से में रहते हैं और रस चुसते है जिसके फलस्वरूप पत्तियॉ किनारे से पीली होकर सिकुड़ती है तथा प्यालानुमा आकार बनाकर धीरे–धीरे सुखने लगती है। फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
बैंगन	बैंगन में फल और तना छेदक के हमले के खिलाफ नियमित निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ईटीएल से अधिक हो तो स्पिनोसेड 1.0 मिली प्रति 4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। छिड़काव से पहले संक्रमित फलों और टहनियों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।
आम	आम में मटर के दाने के बराबर की अवस्था हो गयी है, इस अवस्था में इमिडाक्लोरप्रीड (17.8 एस0एल0)/1 मि0ली0 दवा प्रति दो लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल 1 ग्राम / दो लीटर पानी या डाइनोकैप (46 ई0सी0) 1 मिली दवा प्रति 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव से मधुवा एवं चूर्णिल आसित की उग्रता में कमी आती है। प्लेनोफिक्स नामक दवा / 1 मिली प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

गाय	पशुओं को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएं और गर्मी से उनकी रक्षा के लिए उन्हें छायादार स्थान पर बांधें।